हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

बाल राम कथा

(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:

पुस्तक के पहले अध्याय के पहले अनुच्छेद में लेखक ने सजीव ठंग से अवध की तस्वीर प्रस्तुत की है। तुम भी अपने आसपास की किसी जगह का ऐसा ही बारीक चित्रण करो । यह चित्र मोहल्ले के चबूतरे ,गली की चहल पहल ,सड़के नजारे आदि का भी हो सकता है जिससे तुम अच्छी तरह परिचित हो ।

उत्तर 1:

छात्र अपनी योग्यता और स्थानीय वातावरण के अनुरूप इस प्रश्न का उत्तर स्वयं ही देंगे ।

प्रश्न 2:

वि वामित्र जानते थे कि क्रोध करने से यज्ञ पूरा नहीं होगा , इसलिए वे क्रोध को पी गए तुम्हें भी कभी–कभी गुस्सा आता होगा । तुम्हें कब–कब गुस्सा आता है और उसका क्या परिणाम होता है ?

उत्तर 2:

जब कोई मेरी बात को नहीं सुनता है या बे–वजह डॉटता है तो मुझे बहुत गुस्सा आता है मगर इसका परिणाम हमेशा ही नुकसानदायक होता है ।

प्रश्न 3:

राम और लक्ष्मण ने महाराज दशरथ के निर्णय को खुशी – खुशी स्वीकार किया । तुम्हारी समझ में इसका क्या कारण रहा होगा ?

उत्तर 3:

राम और लक्ष्मण दोनों ही आदर्श पुत्र थे , वे अपने पिता की आज्ञा की अवहेलना करके उनका मान कम नहीं करना चाहते थे । इसलिए उन्होंने अपने पिता के निर्णय को खुशी – खुशी स्वीकार करके उनका मान बढ़ाया ।

प्रश्न 4:

विश्वामित्र ने कहा, 'ये जानवर और वनस्पतियॉ जंगल की शोभा हैं इनसे कोई डर नहीं है।' उन्होंने ऐसा क्यों कहा ?

उत्तर 4:

विश्वामित्र जिस जंगल की रक्षा करवाने के लिए राम और लक्ष्मण को ले जा रहे थे , वह राक्षसों से घिरा हुआ था । ऐसे में दोनो को समझाते हुए उन्होंने कहा कि ये जानवर और वनस्पतियॉ जंगल की शोभा हैं और इनसे कोई डर नहीं है।

प्रश्न 5:
लक्ष्मण ने शूर्पणखा के नाक–कान काट दिए । क्या ऐसा करना उचित था ? अपने उत्तर का कारण बताओ।

उत्तर 5:
लक्ष्मण के द्वारा शूर्पणखा के नाक कान काटा जाना उचित नहीं था , क्योंकि ऐसा करना नारी जाति का अपमान दिखाई देता है । पुरुश को ईश्वर ने शक्तिशाली ओर नारी जाति का रक्षक बनाकर भेजा है । उसको अन्य किसी प्रकार भी समझाया जा सकता था ।

प्रश्न 6:
वि वामित्र और कैकेयी दोनों ही द रथ को रघुकुल के वचन निभाने की प्रथा याद दिलाते हैं । तुम अपने अनुभवों की मदद से बताओ कि क्या दिया हुआ वचन निभाना हमेशा संभव होता है ।

उत्तर 6:
वचन देना तो बहुत आसान होता है मगर उस पर अमल करना बहुत ही कठिन होता है। वचन को निभाने के लिए कड़ी परीक्षा से गुजरना होता है जो ऐसा कर सकता है, वही वचन का मान रख सकता है । जैसा कि राजा दशरथ ने किया था , मगर ऐसा करना साधारण मनुश्य के बस की बात नहीं है ।

प्रश्न 7:
मान लो कि तुम्हारे स्कूल में राम कथा को नाटक के रूप में खेलने की तैयारी चल रही है । तुम इस नाटक में उसी पात्र की भूमिका निभाना चाहते हो जो तुम्हें सबसे ज्यादा अच्छा , दिलचस्प या आकर्शक लगता है । वह पात्र कौन सा है और क्यों ?

उत्तर 7:
रामकथा के नाटक के पात्रों में मुझे रामचन्द्र जी का किरदार सबसे अच्छा लगा ।, क्योंकि उन्होंने मर्यादा और संस्कारों का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है । यदि मुझे मौका मिले तो मैं उन्ही के पात्र को निभाना चाहूँगा ।

प्रश्न 8:
सीता बिना बात के राक्षसों के वध के पक्ष में नहीं थीं जबकि राम राक्षसों के विनाश को ठीक समझते थे । तुम किससे सहमत हो – राम से या सीता से कारण बताते हुए उत्तर दो ।

उत्तर 8:
यह सृश्टि का नियम है कि जब–जब पृथ्वी पर धर्म ही हानि होती है , राक्षसों का अत्याचार बढ़ जाता है । तो धर्म की स्थापना और राक्षसों के संहार के लिए स्वयं भगवान को पृथ्वी पर अवतार लेना पड़ता है , और भगवान राम ने राक्षसों के विनाश के लिए ही पृथ्वी पर अवतार लिया था । राक्षस वे होते हैं जों अपने द्वारा किए गए दुराचार के सामने किसी को भी सही नहीं मानते ऐसे में उनको समझाना बेकार है। और उनका विनाश ही एकमात्र विकल्प था जो राम ने किया इस स्थान पर सीता की सोच सही नहीं दिखाई देती ।

प्रश्न 9:
रामकथा के तीसरे अध्याय में मंथरा कैकेयी को समझाती है कि राम को युवराज बनाना उसके बेटे के हक में नहीं हैं इस प्रसंग को अपने भाब्दों में कक्षा में नाटक के रूप में प्रस्तुत करो ।

उत्तर 9:
इस प्र न के उत्तर को नाटक के रूप में छात्र अपनी योग्यता के अनुसार और शिक्षक की मदद से कक्षा में प्रस्तुत करेंगे ।

प्रश्न 10:
तुमने 'जंगल और जनकपुर' तथा 'दंडक वन में दस वर्श' में राक्षसों द्वारा मुनियों को परेशान करने की बात पढ़ी होगी । राक्षस ऐसा क्यों करते थे ? क्या यह संभव नहीं था कि दोनों भाांतिपूर्वक वन में रहते ? कारण बताते हुए उत्तर दो ।

उत्तर 10:
राक्षसों और मुनियों दोनों की प्रवृत्ति भिन्न होती है । मुनि ईश्वर को मानते हैं ,उसकी आराधना और समाज के कल्याण की बात करते हैं । इसके विपरीत राक्षस स्वयं को ही ई वर मानते हैं और समाज को प्रताड़ित करते हैं । ऐसे में दोनों का एक साथ भाांति से रहना असंभव लगता है ।

प्रश्न 11:
हनुमान ने लंका से लौटकर अंगद और जामवंत को लंका के बारे में क्या–क्या बताया होगा ।

उत्तर 11:
हनुमान ने लंका से लौटकर अंगद और जामवंत को लंका के बारे में यह बताया होगा कि किस प्रकार लंका चारों ओर समुद्र से घिरी हुई है । मायावी राक्षस दिन रात उसकी सुरक्षा में लगे रहते हैं । रावण के भाई और उसका पुत्र बहुत ही बलशाली हैं और वहॉ तक पहुॅचने का कोई सीधा रास्ता भी नहीं है । वहॉ पहुॅचने के लिए विशाल समुद्र को पार करना ही पड़ेगा जो कि आसान बात नहीं है ।

प्रश्न 12:
तुमने बहुत सी पौराणिक कथाएं और लोक कथाएं पढ़ी होंगी । उनमें क्या अंतर होता है ? यह जानने के लिए पॉच–पॉच के समूह में कक्षा के बच्चे दो–दो पौराणिक कथाऍ और लोक कथाऍ इकट्ठा करें । कथ्य (कहानी) भाशा आदि के अनुसार दोनों प्रकार की कहानियों का विश्लेशण करें और उनके अंतर लिखें ।

उत्तर 12:
छात्र अपने शिक्षक की मदद से छोटे–छोटे समूह बनाकर उपरोक्त कार्य को सम्पन्न करेंगे ।

प्रश्न 13:
क्या होता यदि –

क:
राजा दशरथ रानी कैकेयी की प्रार्थना को स्वीकार नहीं करते ।
क:
यदि राजा दशरथ रानी कैकेयी की प्रार्थना स्वीकार न करते तो रानी विद्रोह कर देती और परिवार में अशांति फैल जाती ।

ख:
रावण ने विभीषण और अंगद का सुझाव माना होता और युद्ध का फैसला न किया होता ।
ख:
यदि रावण ने विभीषण और अंगद का सुझाव माना होता और युद्ध का फैसला न किया होता तो उसका पूरा वंश नश्ट होने से बच जाता और लाखों सैनिकों की जान बच जाती ।

प्रश्न 14:
नीचे कुछ चारित्रिक विशेशताएं दी गई हैं और तालिका में कुछ पात्रों के नाम दिए गए हैं । प्रत्येक पात्र के सामने उपयुक्त विशेशताओं को छॉटकर लिखो –
पराक्रमी , साहसी , निडर , पित्रभक्त ,वीर , शांत , दूरदर्शी , त्यागी , लालची , अज्ञानी , दुश्चरित्र ,दीनबंधु , गंभीर , स्वार्थी , उदार , धैर्यवान , अड़ियल , कपटी , भक्त , न्यायप्रिय और ज्ञानी ।
उत्तर 14:

राम – शांत , पित्रभक्त	सीता – शांत , उदार
लक्ष्मण – पराक्रमी , निडर	कैकेयी – लालची , अज्ञानी
रावण – अड़ियल , दुश्चरित्र	हनुमान – साहसी , भक्त
विभीषण – न्यायप्रिय और ज्ञानी	भरत – गंभीर , त्यागी

प्रश्न 15:
तुमने आसपास के बड़ों से रामायण की कहानी सुनी होगी । रामलीला भी देखी होगी । क्या तुम्हें अपनी पुस्तक रामकथा की कहानी और बड़ों से सुनी रामायण की कहानी में कोई अंतर नजर आया ? यदि हॉ तो उसके बारे में कक्षा में बताओं
उत्तर 15:
बच्चे कक्षा में अपने बड़ों के द्वारा सुनाई गई और कक्षा में पढ़ी गई रामायण के अंतर के बारे में कक्षा में एक–दूसरे से` चर्चा करेंगे ।

प्रश्न – 16 , 17 , 18 छात्रों की बौद्धिक पर तार्किक परीक्षा के लिए है जिन्हें छात्र स्वयं ही अध्यापक की मदद से पूर्ण करेंगे ।